परशुराम जी की आरती

ॐ जय परशुधारी, स्वामी जय परशुधारी।

सुर नर मुनिजन सेवत, श्रीपति अवतारी॥

ॐ जय परशुधारी…

जमदग्नी सुत नर-सिंह, मां रेणुका जाया।

मार्तण्ड भृगु वंशज, त्रिभुवन यश छाया॥

ॐ जय परशुधारी…

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कांधे सूत्र जनेऊ, गल रुद्राक्ष माला।

चरण खड़ाऊँ शोभे, तिलक त्रिपुण्ड भाला॥

ॐ जय परशुधारी…

ताम्र श्याम घन केशा, शीश जटा बांधी।

सुजन हेतु ऋतु मधुमय, दुष्ट दलन आंधी॥

ॐ जय परशुधारी…

मुख रवि तेज विराजत, रक्त वर्ण नैना।

दीन-हीन गो विप्रन, रक्षक दिन रैना॥

ॐ जय परशुधारी…

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कर शोभित बर परशु, निगमागम ज्ञाता।

कंध चार-शर वैष्णव, ब्राह्मण कुल त्राता॥

ॐ जय परशुधारी...

माता पिता तुम स्वामी, मीत सखा मेरे।

मेरी बिरद संभारो, द्वार पड़ा मैं तेरे॥

ॐ जय परशुधारी...

अजर-अमर श्री परशुराम की, आरती जो गावे।

पूर्णेन्दु शिव साखि, सुख सम्पति पावे ॥

ॐ जय परशुधारी...

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

हिन्दीपथ.कॉम – HindiPath.com

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- केदारनाथ की
- श्री भागवत भगवान
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता
- बाबा बालक नाथ की
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम